भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या-119

उत्तर देने की तारीख-29/07/2026

लोटस कार्यक्रम

119 # **श्री गोविंदभाई लालजी भाई धोलकिया**:
क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि जापान द्वारा 'लोटस' कार्यक्रम के अंतर्गत भारत के शोधार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में शोध करने हेतु आमंत्रित किया जाता है;
(ख) इस वर्ष कितने शोधार्थियों को इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर मिलने की संभावना है;
(ग) अब तक कितने शोधार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया है;
(घ) देश के विकास में इन शोधार्थियों का क्या योगदान रहा है; और
(ङ) भारत सरकार और जापान सरकार द्वारा इन शोधार्थियों को क्या सहायता और सुविधाएं प्रदान की जाती हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

"लोटस कार्यक्रम" के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री गोविंदभाई लालजी भाई धोलकिया द्वारा दिनांक 29.07.2026 को पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 119 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) द लोटस (भारत से स्नातक छात्रों और पोस्टडॉक्टोरल शोधार्थियों को आमंत्रित करके अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभा प्रसार को बढ़ावा देना) कार्यक्रम भारतीय संस्थानों/विश्वविद्यालयों के पीएचडी और पोस्ट डॉक्टोरल स्कॉलरों के लिए जापान विज्ञान और प्रौद्योगिकी एजेंसी (जेएसटी), जापान सरकार की एक पहल है। यह कार्यक्रम भारत और जापान में शैक्षणिक संस्थाओं के बीच चल रही अथवा नव स्थापित संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के अंतर्गत जापान में अनुसंधान करने के लिए भारत के स्नातक छात्रों और पोस्टडॉक्टोरल शोधार्थियों को आमंत्रित करके अनुसंधान आदान-प्रदान करने में सहयोग करता है।

(ख) वित्त वर्ष 2026 के लिए, द लोटस कार्यक्रम के तहत भारत के लगभग 1,000 स्नातक छात्रों और पोस्टडॉक्टोरल शोधार्थियों को सहायता की घोषणा की गई है।

(ग) वित्त वर्ष 2024 में इस कार्यक्रम की शुरुआत से अब तक भारत के कुल 345 शोधार्थियों का चयन किया गया है।

(घ) इस कार्यक्रम ने संयुक्त अनुसंधान, शोधार्थी गतिशीलता और दीर्घकालिक संस्थागत साझेदारी आगे बढ़ाकर भारत-जापान वैज्ञानिक सहयोग को मजबूत बनाया है। इसके परिणाम में बढ़ी हुई अनुसंधान क्षमता, ज्ञान का आदान-प्रदान, उच्चतर वैज्ञानिक कौशल का विकास, सहयोगी प्रकाशन, प्रौद्योगिकी विकास और भारतीय एवं जापानी संस्थानों के बीच निरंतर शैक्षणिक साझेदारी शामिल है।

(ङ) इस कार्यक्रम के तहत जापान सरकार द्वारा प्रदान की गई सहायता में जापान में अपने शोध प्रवास के दौरान छात्र शोधार्थियों के लिए जीवनयापन व्यय और आवास के लिए सहायता शामिल है। अंतर्राष्ट्रीय यात्रा व्यय या तो प्रतिभागी भारतीय संस्थान द्वारा या छात्र शोधकर्ता द्वारा जैसा भी उपयुक्त हो, वहन किया जाता है, ।

*****